राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति–2

**राजभवन देहरादून 14 अप्रैल, 2019**

राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने रविवार को आम्बेडकर जयंती के अवसर पर ओ.एन.जी.सी के आॅल इंडिया एस.सी एस.टी एम्पलायी एसोसिएशन द्वारा ओ0एन0जी0सी परिसर मे आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर विधिवत शुभारम्भ किया। डा0 भीमराम आम्बेडकर को बहु-आयामी व्यक्तित्व के धनी बताते हुए राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने कहा कि राष्ट्र-निर्माण में उनके योगदान भी बहु-आयामी हैं। डा0 आंबेडकर एक महान राजनीतिक नेता, इतिहासकार, कानूनविद, दार्शनिक, अर्थशास्त्री, शिक्षक और क्रांतिकारी थे। सबसे बढ़कर वे एक कर्मठ समाज-सुधारक और हमारे महान संविधान के प्रमुख रचनाकार थे।

राज्यपाल ने कहा कि दूरदर्शी बाबा साहब आंबेडकर ने शिक्षा को प्राथमिकता दी क्यांेकि वह जानते थे की शिक्षा के बिना न तो दलितों को स्वतंत्रता मिलेगी और ना ही सामाजिक बुराईयों से मुक्ति। डॉक्टर आंबेडकर ने ऐसे समाज की कल्पना की थी जहां आखिरी छोर पर खडे पीड़ित, शोषित, वंचित, गरीब, किसान, मजदूर और महिलाओं को सबके साथ बराबरी का हक और सम्मान मिले। वे शांति, अहिंसा और सौहार्द के साथ सभी मुद्दों का समाधान करने के हिमायती थे।

बाबा साहब ने अनुसूचित जातियों, जनजातियों और समाज के पिछडे वर्गों के लिए अतुलनीय संघर्ष किया। उन्होंने सामाजिक भेदभाव को दूर करने और समानता के सिद्धांत को लागू करने के लिए भारतीय संविधान का मार्ग चुना। संविधान में दिए हुए राज्य के नीति निर्देशक तत्व सामाजिक न्याय के लिए स्पष्ट दिशा प्रदान करते हैं। अनुसूचित जातियों, जन-जातियों और अन्य दुर्बल वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों के लिए काम करना राज्य का कर्तव्य है।

राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने कहा कि अनुसूचित जातियों और जन-जातियों के लोगों तक सरकारी और गैरसरकारी संगठनों द्वारा स्वास्थ्य, कानूनी सहायता, शिक्षा, कौशल जैसे क्षेत्रों में चलाए जा रहे जन-कल्याण के अभियानों और योजनाओं के बारे में समुचित प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब का मानना था कि आजादी का अर्थ सिर्फ अधिकार पाना भर नहीं है बल्कि आजादी को बनाये रखने के लिए अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वहन भी जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि आज एक लोकतंत्र और समतावादी समाज के रूप में हम जो भी हैं और जहाँ तक आगे बढ़े हैं, इस मुकाम तक पहुँचने में हमारे संविधान और उसके मुख्य निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की बहुत बड़ी भूमिका है।

इस अवसर पर कार्यक्रम को विधायक श्री गणेश जोशी, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य डा0 स्वराज विद्वान, ओनजीसी मानव संसाधन निदेशक श्रीमती अल्का मित्तल ने भी सम्बोधित किया।

————0————